

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

21/11/26 - 20/12/26  
510/162/13

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

21/11/26

पत्रायली पेश हुई/वकील वादी/प्रतिवादी।  
अपीलार्थी/रिस्पोडेन्ट/प्रार्थी/अप्रार्थी/उभयपक्ष  
उपरिथित हैं/अनुपरिथित हैं। श्रीमान पीठासीन  
अधिकारी भ्रमण पर हैं/अवकाश पर हैं/अन्य  
कार्यों में व्यस्त हैं/का स्थानान्तरण हो गया है।  
अतः पत्रायली पूर्वानुसार दिनांक 19/12/26  
को पेश हो।

रीडर

10/2/28

पत्रायली पेश हुई/वकील वादी/प्रतिवादी।  
अपीलार्थी/रिस्पोडेन्ट/प्रार्थी/अप्रार्थी/उभयपक्ष  
उपरिथित हैं/अनुपरिथित हैं। श्रीमान पीठासीन  
अधिकारी भ्रमण पर हैं/अवकाश पर हैं/अन्य  
कार्यों में व्यस्त हैं/का स्थानान्तरण हो गया है।  
अतः पत्रायली पूर्वानुसार दिनांक 21/2/28  
को पेश हो।

रीडर

9/3/26 वकील उभयपक्ष द्वारा आदेश 57/50 4-1-25 के  
पालन में अग्रिम संशोधित टाइटल, वादपत्र पेश किए जा रहे हैं।  
आगामी पेशी पर अ संशोधित टाइटल व वादपत्र प्रस्तुत की पत्र लिख  
23/3/26 को पेश हो।

13/3/26

पत्रायली पेश हुई/वकील वादी/प्रतिवादी।  
अपीलार्थी/रिस्पोडेन्ट/प्रार्थी/अप्रार्थी/उभयपक्ष  
उपरिथित हैं/अनुपरिथित हैं। श्रीमान पीठासीन  
अधिकारी भ्रमण पर हैं/अवकाश पर हैं/अन्य  
कार्यों में व्यस्त हैं/का स्थानान्तरण हो गया है।  
अतः पत्रायली पूर्वानुसार दिनांक 13/4/26  
को पेश हो।

रीडर

08.4.26 वकील उभयपक्ष द्वारा वकीलवादी के  
संशोधित वादपत्र के वादपत्र पेश करने के लिये  
वादी द्वारा विद्वत् द्वारा विचारणा की गयी।  
दिनांक 10.4.26 को पेश हो।

10.4.26 पत्रायली पेश हुई। पत्रायली में कई बार आग्राम  
लगावने के उपरांत भी स्पष्ट वादी शीट अर्थात् वकील एग्जिट  
अदालत नहीं हुए। अतः पत्रायली द्वारा आग्राम एग्जिट परीक्षा  
में स्वरिज किया जाता है। पत्रायली पेशी सुमा (सेक) नम्बर से  
54 के स्पष्ट वादपत्र पेश किए जा रहे हैं।

उपरिष्ठ अधिकारी  
गंगापूर सिटी (राज.)

